Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

D 9 1 1 5

PAPER - II
PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

PRAKRIT

PAPER - II

Note : This paper contains fifty (50) objective type questions of two (2) marks each. All questions are compulsory.

1. The language of the earlier prakrit texts of the Digambara is :

   (1) Mahārāṣṭrī (2) Māgadhī (3) Niya (4) Śaurasenī

2. 'Paṇṇavaṇā' belongs to this category of Āgama Literature _____.

   (1) Aṅga (2) Upāṅga (3) Chhedasūtra (4) Mūlasūtra

3. This group belongs to Ardhamāgadhi Āgamas _____.

   (1) Ṣaṭkhaṅdāgama, Kasāyapāhuḍa, Mahābaṅdha

   (2) Sūyagaḍo, ṭhāṇāṅga, Uvāsagadasāo

   (3) Pravacanasāra, Samayasāra, Niyamasāra

   (4) Mūlacāra, Gommatasāra, Tiloyapaṇṇatti

4. This word belongs to the paiśācī prakrit :

   (1) hitapaka (2) ladaṇa (3) halā (4) cilāa

5. This work is known to be written in paiśācī prakrit :

   (1) Gāhāsattasai (2) Rayaṇasāra (3) Baḍḍakahā (4) Gauḍavaho

6. This text is written in Aprabhraṃśa :

   (1) Paumacariyaṃ (2) Paumacariu (3) Setubandha (4) Rāvaṇavaho

7. This example stands for metathesis :

   (1) rātriḥ = rattī (2) Śaktaḥ = Sakko

   (3) Vārāṇasī = Vāṇārasī (4) sugataḥ = sugao

प्राकृत

प्रश्नपत्र - II

नोट : इस प्रश्न-पत्र में पचास **(50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो **(2)** अंक हैं। सभी प्रश्न **अनिवार्य** है।

1. प्राचीन प्राकृत दिगम्बर ग्रंथों की भाषा यह है :

   (1) महाराष्ट्री (2) मागधी (3) निया (4) शौरसेनी

2. 'पण्णवणा' आगम साहित्य की इस विधा का ग्रन्थ है :

   (1) अंग (2) उपांग (3) छेदसूत्र (4) मूलसूत्र

3. अर्धमागधी आगम समूह यह है _____.

   (1) षट्खण्डागम, कसायपाहुड़, महाबन्ध

   (2) सूयगडो, ठाणांग, उवासगदसाओ

   (3) प्रवचनसार, समयसार, नियमसार

   (4) मूलाचार, गोम्मटसार, तिलोयपण्णत्ति

4. यह शब्द पैशाची प्राकृत का है :

   (1) हितपक (2) लदण (3) हला (4) चिलाअ

5. यह ग्रंथ पैशाची प्राकृत में लिखा हुआ जाना जाता है :

   (1) गाहासत्तसई (2) रयणसार (3) बड्डकहा (4) गउडवहों

6. यह ग्रंथ अपभ्रंश में रचा गया है :

   (1) पउमचरियं (2) पउमचरिउ (3) सेतुबंध (4) रावणवहो

7. यह उदाहरण वर्ण-व्यत्यय का है :

   (1) रात्रिः = रत्ती (2) शक्तः = सक्को

   (3) वाराणसी = वाणारसी (4) सुगतः = सुगओ

8. In 'a' ending word visarga is changed into prakrit as :

(1) ā (2) o (3) i (4) u

9. Instrumental plural of the word 'mālā' is :

(1) mālatto (2) mālaṃ (3) māle (4) mālāhiṃ

10. The Vowel before a conjunct consonant always becomes :

(1) short (2) elided (3) long (4) pluta

11. 'Ya śruti' occurs in this word :

(1) rāulam (2) āgāso (3) payaḍam (4) loo

12. Optative form of the root 'paḍha' is :

(1) paḍhejjā (2) paḍhau (3) paḍhāmo (4) pāḍhei

13. This is not the part of the Ṣaṭkhaṇḍāgama :

(1) Pejjadosapāhuḍa (2) Jīvaṭṭhāṇa (3) Vaggaṇākhaṇḍa (4) Mahābandha

14. 'Ācārāṅga' is included into this group of texts :

(1) Aṅga Āgama (2) Upāṅga Āgama (3) Paiṇṇāiṃ (4) Mūlasūtra

15. The author of Prakrit text 'Kammapayaḍī' is :

(1) Shubhachandra (2) Shivarya (3) Shivasharma (4) Shamakunda

16. This is not the correct pair in the following pairs :

(1) Bhadrabāhu - Niryuktikāra

(2) Āgastyasingh - Cūrṇikāra

(3) Ācārya Abhayadeva - Vaiyākaraṇa

(4) Dhaneśwarasūri - Kathākāra

8. प्राकृत में अकारान्त शब्दों से परे स्थित बिसर्ग का परिवर्तन इस प्रकार होता है :

(1) आ (2) ओ (3) इ (4) उ

9. 'माला' शब्द तृतीया बहुवचन का रूप इस प्रकार है :

(1) मालत्तो (2) मालं (3) माले (4) मालाहिं

10. संयुक्त व्यंजन से पूर्व स्वर की स्थिति सदा यह होती है :

(1) ह्रस्व (2) लुप्त (3) दीर्घ (4) प्लुत

11. इस पद में 'य-श्रुति' हुई है :

(1) राउलं (2) आगासो (3) पयडं (4) लोओ

12. 'पढ' धातु के विधिलिङ् का यह रूप है :

(1) पढेज्जा (2) पढउ (3) पढामो (4) पाढेइ

13. यह षट्खण्डागम का भाग नहीं है :

(1) पेज्जदोसपाहुड (2) जीवट्ठाण (3) वग्गणाखण्ड (4) महाबन्ध

14. ''आचारांग'' इस ग्रन्थ-समूह में सम्मिलित है :

(1) अंग आगम (2) उपांग आगम (3) पइण्णाइं (4) मूलसूत्र

15. प्राकृत ग्रन्थ 'कम्मपयडि' के लेखक हैं :

(1) शुभचन्द्र (2) शिवार्य (3) शिवशर्म (4) शामकुण्ड

16. निम्नलिखित युग्मों में से यह युग्म सही नहीं है :

(1) भद्रबाहु - निर्युक्तिकार

(2) आगस्त्यसिंह - चूर्णिकार

(3) आचार्य अभयदेव - वैयाकरण

(4) धनेश्वरसूरी - कथाकार

17. This one of the following group of texts is the correct group of Ardhamāgadhī texts :

(1) Āyārō, Jambūdīvapaṇṇatti, Tilōyapaṇṇatti

(2) Āyārō, Aṭṭhapāhuda, Vivāgasuyaṁ

(3) Mulācāra, Ṇāyādhammakahā, Bhagavai

(4) Paṇṇavaṇā, Thāṇānga, Sūyagado

18. These Number of birth stories is found in Samarāiccakahā :

(1) Nine (2) Eleven (3) Thirteen (4) Fifteen

19. The author of Ṇāṇapaṅcamī kahā is :

(1) Haribhadra Sūri (2) Mahendra Sūri (3) Dhanapāla (4) Maheśwara Sūri

20. Read Unit - I and II for the correct match :

Unit - I		Unit - II
(a)	Mahendra Sūri	(i) Sukhabodhā Tikā
(b)	Nemichand Sūri	(ii) Sursundarī cariaṁ
(c)	Udyotana Sūri	(iii) Nammayā sundarī kahā
(d)	Dhaneśwara Sūri	(iv) Kuvalayamālā kahā

Identify the correct match :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (ii) (4) (d) + (i)

21. ''Devindathava'' text belongs to this category of canon :

(1) Aṅga Āgama (2) Mūlasūtra (3) Cūlikā (4) Paiṇṇāiṃ

22. Identify the correct pair :

(1) Rāmapāṇivāda - Gāthāsaptaśati, Vajjālaggaṃ

(2) Nayacanda - Ānandasundarī, Śriṅgāramañajarī

(3) Kouhala - Setubandha, Līlāvaikahā

(4) Hemacandrācārya - Kumārapālacarita, Deśīnāmamālā

23. The Prakrit language of the Karpūramanjari is :

(1) Śaurasenī (2) Sanskrit (3) Paiśācī (4) Mahārāṣṭrī

17. अधोलिखित ग्रन्थसमूह में से यह अर्द्धमागधी ग्रन्थों का **सही** समूह है :

(1) आयारो, जंबूदीवपण्णत्ति, तिलोयपण्णत्ति

(2) आयारो, अट्ठपाहुड, विवागसुयं

(3) मूलाचार, णायाधम्मकहा, भगवई

(4) पण्णवणा, ठाणांग, सूयगडो

18. समराइच्चकहा में इतने भवों की कथा प्राप्त है :

(1) नौ (2) ग्यारह (3) तेरह (4) पन्द्रह

19. णाणपंचमी कहा के लेखक हैं :

(1) हरिभद्रसूरि (2) महेन्द्रसूरि (3) धनपाल (4) महेश्वरसूरि

20. प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

समूह - I		**समूह** - II
(a)	महेन्द्रसूरि	(i) सुखबोधा टीका
(b)	नेमिचन्दसूरि	(ii) सुरसुन्दरी चरियं
(c)	उद्योतनसूरि	(iii) नम्मयासुन्दरी कहा
(d)	धनेश्वरसूरि	(iv) कुवलयमाला कहा

सही मिलान की पहचान कीजिए :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (ii) (4) (d) + (i)

21. ''देविंदथव'' ग्रन्थ आगम की इस विधा का है :

(1) अंग आगम (2) मूलसूत्र (3) चूलिका (4) पइण्णाइं

22. **सही** युग्म को पहचानिए :

(1) रामपाणिवाद - गाथासप्तशती, वज्जालगं

(2) नयचन्द - आनन्दसुन्दरी, शृंगारमंजरी

(3) कोउहल - सेतुबन्ध, लीलावईकहा

(4) हेमचन्द्राचार्य - कुमारपालचरित, देशीनाममाला

23. कर्पूरमंजरी की प्राकृत भाषा है :

(1) शौरसेनी (2) संस्कृत (3) पैशाची (4) महाराष्ट्री

24. Setubandha was composed in this century A.D. :

(1) First (2) Sixth (3) Seventh (4) Fifth

25. This statement is true according to setubandha :

(1) Poetry does not impress readers

(2) Fame is gained by best poetry

(3) Qualities are not gained by poetry

(4) Knowledge becomes narrow by poetry

26. The language of Nāyakumāracariu of Puṣpadanta is :

(1) Apabhraṃśa (2) Sanskrit (3) Prakrit (4) Pali

27. 'Paḍhamaṃ ṇamaha Jiṇindaṃ' line occurs in the :

(1) Kuvalayamālākahā (2) Samarāicchakahā

(3) Ṇāyādhammakahā (4) Setubandha

28. The heroin of the Saṭṭaka of Rājaśekhara is :

(1) Mālatī (2) Karpūramañjarī (3) Vāsavadattā (4) Vasantasenā

29. 'Vicakṣaṇā' in Karpūramañjarī is :

(1) Courtesan (2) Queen (3) Wife of Vidūṣaka (4) Maid-servant

30. The name of the Vidūṣaka of the Karpūramañjarī is :

(1) Puṣpaka (2) Kapiñjala (3) Śakāra (4) Maitreya

31. The Hero of Mṛcchakaṭikaṃ is :

(1) Caṇḍapāla (2) Cārudatta (3) Śakāra (4) Candanaka

32. Radanikā occurs as a character in this work :

(1) Ghanśyāmamañjarī (2) Mṛcchakaṭikaṃ

(3) Karpūramañjarī (4) Pratimānāṭaka

24. सेतुबन्ध इस शताब्दी की रचना है :

(1) प्रथम (2) छठी (3) साँतवीं (4) पाँचवीं

25. सेतुबन्ध के अनुसार यह कथन **सही** है :

(1) काव्य पाठकों को प्रभावित नहीं करता।

(2) श्रेष्ठ काव्य से यश प्राप्त होता है।

(3) काव्य से गुण प्राप्त नहीं होते हैं।

(4) काव्य से ज्ञान सीमित होता है।

26. पुष्पदन्तकृत णायकुमारचरिउ की भाषा है :

(1) अपभ्रंश (2) संस्कृत (3) प्राकृत (4) पालि

27. 'पढ़मं नमह जिणिंदं' पंक्ति इस ग्रन्थ में है :

(1) कुवलयमालाकहा (2) समराइच्चकहा

(3) णायाधम्मकहा (4) सेतुबन्ध

28. राजशेखरकृत सट्टक की नायिका है :

(1) मालती (2) कर्पूरमंजरी (3) वासवदत्ता (4) वसन्तसेना

29. कर्पूरमंजरी में विचक्षणा है :

(1) गणिका (2) रानी (3) विदूषक की पत्नी (4) दासी

30. कर्पूरमंजरी में विदूषक का नाम है :

(1) पुष्पक (2) कपिंजल (3) शकार (4) मैत्रेय

31. मृच्छकटिकम् का नायक है :

(1) चंडपाल (2) चारुदत्त (3) शकार (4) चन्दनक

32. रदनिका इस ग्रन्थ में एक पात्र है :

(1) घनश्याममंजरी (2) मृच्छकटिकम्

(3) कर्पूरमंजरी (4) प्रतिमानाटक

33. The name of the Vidūṣaka of the Mṛcchakaṭikaṃ :

(1) Maitreya (2) Candanaka (3) Kapiñjala (4) Bhairvānanda

34. The meaning of prakrit word 'Akkhāḍa' is similar to this Hindi word _____.

(1) Akara (2) Akhāḍā (3) Ākhar (4) Ākar

35. Authorised the Pāiyalacchī Nāmamālā by :

(1) Hemachandra (2) Dhanapāla (3) Mārkaṇḍeya (4) Mahādevo

36. 'Chandonuśāsana' is written by :

(1) Vinayachandra (2) Hemachandra (3) Nemichandra (4) Devbhadrasuri

37. Read the Unit - I and II for the correct match :

Unit - I		Unit - II
(a) Kavidarpaṇa	(i)	Vyākaraṇa
(b) Pāiyalacchīnāmamālā	(ii)	Alaṅkar
(c) Alaṅkardappaṇa	(iii)	Kośa
(d) Prakrit - Sarvasva	(iv)	Chanda

Identify the correct answer :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iii) (3) (c) + (iv) (4) (d) + (ii)

38. This is not a chanda - text in the prakrit language :

(1) Kavidarpaṇa (2) Gāhālakkhaṇa

(3) Rayaṇāvalī (4) Prākrit paiṅgalam

39. Period of composing of Kavidarpaṇa is :

(1) 10^{th} A.D. (2) 9^{th} A.D. (3) 14^{th} A.D. (4) 13^{th} A.D.

40. The famous name of Kharvela Inscription is this :

(1) Hathigumpha Inscription (2) Orissa Inscription

(3) Jain Inscription (4) Prakrit Inscription

33. मृच्छकटिकम् में विदूषक का नाम है :

(1) मैत्रेय (2) चन्दनक (3) कपिंजल (4) भैरवानन्द

34. प्राकृत के 'अक्खाड' शब्द का अर्थ हिन्दी के इस शब्द के समान है :

(1) अकड़ (2) अखाड़ा (3) आखर (4) आकर

35. पाइयलच्छीनाममाला इनके द्वारा लिखी गयी है :

(1) हेमचन्द्र (2) धनपाल (3) मार्कण्डेय (4) महादेव

36. छन्दोनुशासन के लेखक है :

(1) विनयचन्द्र (2) हेमचन्द्र (3) नेमिचन्द्र (4) देवभद्रसूरि

37. प्रथम और द्वितीय तालिकाओं को पढ़े और सही मिलान करें :

तालिका - I		**तालिका** - II
(a)	कविदर्पण	(i) व्याकरण
(b)	पाइयलच्छीनाममाला	(ii) अलंकार
(c)	अलंकारदप्पण	(iii) कोश
(d)	प्राकृत सर्वस्व	(iv) छन्द

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iii) (3) (c) + (iv) (4) (d) + (ii)

38. यह प्राकृत भाषा का छन्द ग्रन्थ **नहीं** है :

(1) कविदर्पण (2) गाहालक्खण

(3) रयणावली (4) प्राकृतपैंगलम्

39. कविदर्पण ग्रन्थ का रचना-समय है :

(1) 10 वीं शती (2) 9 वीं शती (3) 14 वीं शती (4) 13 वीं शती

40. खारवेल शिलालेख का प्रसिद्ध नाम यह है :

(1) हाथीगुम्फा - शिलालेख (2) उड़ीसा - शिलालेख

(3) जैन - शिलालेख (4) प्राकृत - शिलालेख

41. Religious instructions of Emperor Aśoka are found in this Giranār Inscription :

(1) Eighth (2) Fourth (3) First (4) Sixth

42. The name of 'Yawanraj Dimit' is found in this Inscription :

(1) Second Girnar Inscription (2) Fifth Girnar Inscription

(3) Dhauli Inscription (4) Kharvela Inscription

43. The Namo Arhantanam term is used in this Inscription :

(1) Ashoka's Third Girnar Inscription

(2) Ashoka's Fourth Girnar Inscription

(3) Ashoka's Fifth Girnar Inscription

(4) Kharvela Inscription

44. The name of Yawan king is found in this Girnar Inscription of Ashoka :

(1) Fifth Inscription (2) Seventh Inscription

(3) Second Inscription (4) First Inscription

45. Match the Units - I and II :

	Unit - I		Unit - II
(a)	Pataliputra Vācanā (Veer Nirvāṇa 160 years)	(i)	Devardhigaṇi Kshamashramaṇa
(b)	Mathuri Vācanā (Veer Nirvāṇa 840 years)	(ii)	Sthulabhadra
(c)	Valabhi Vācanā (Veer Nirvāṇa 980 years)	(iii)	Ārya Skandil

Identify correct code :

	(a)	(b)	(c)
(1)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iii)

41. सम्राट अशोक के धार्मिक निर्देश इस गिरनार शिलालेख में प्राप्त हैं :

(1) आठवें (2) चौथे (3) पहिले (4) छठे

42. 'यवनराज दिमित' का उल्लेख इस शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) द्वितीय गिरनार - शिलालेख (2) पंचम गिरनार - शिलालेख

(3) धौली शिलालेख (4) खारवेल शिलालेख

43. नमो अरहंतानां पद का प्रयोग इस शिलालेख में हुआ है :

(1) अशोक का तृतीय गिरनार-शिलालेख

(2) अशोक का चतुर्थ गिरनार-शिलालेख

(3) अशोक का पंचम गिरनार-शिलालेख

(4) खारवेल शिलालेख

44. अशोक कालीन यवनराजा का नामोल्लेख गिरनार के इस शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) पंचम शिलालेख (2) सप्तम शिलालेख

(3) द्वितीय शिलालेख (4) प्रथम शिलालेख

45. **यूनिट** - I तथा II का मिलान कीजिये :

यूनिट - I		**यूनिट** - II
(a)	पाटलिपुत्र वाचना (वीर निर्वाण 160 वर्ष)	(i) देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण
(b)	माथुरी वाचना (वीर निर्वाण 840 वर्ष)	(ii) स्थूलभद्र
(c)	बलभी वाचना (वीर निर्वाण 980 वर्ष)	(iii) आर्य स्कन्दिल

सही कूट चुनिये :

	(a)	(b)	(c)
(1)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iii)

46. ''Davvaṭṭhiyavattavvaṁ avatthuṇiyameṇa pajjavaṇayassa

Taha pajjavavatthu avatthumeva davvaṭṭhiyaṇayassa''

The above verse is quoted from this book :

(1) Sanmatitarkaprakaraṇa (2) Pravacanasāra

(3) Dravyasaṁgraha (4) Nyāyāvatāra

47. 'Samaṇo samasuhadukkho' is quoted from this text :

(1) Ṇāyakumāracariu (2) Pravacanasāra

(3) Dravyasaṁgraha (4) Sanmatitarkaprakaraṇa

48. Prohibition of violence of all kinds of living beings is described in this chapter of Ācāraṅga :

(1) Satthapariṇṇā (2) Logavijaya (3) Upadhāna (4) Piṅdaiṣaṇā

49. 'Icchā u āgāsāsamā aṇantiyā' is quoted from this text :

(1) Sammaisuttaṁ (2) Davvasaṅgaho (3) Uttarajjhayaṇaṁ (4) Āyāro

50. The literary form of 'Ānandamañjarī' is :

(1) Naṭak (2) Saṭṭak (3) Mahākavya (4) Khaṇḍkavya

- o 0 o -

46. ''दव्वट्ठियवत्तव्वं अवत्थुणियमेण पज्जवणयस्स।
तह पज्जववत्थु अवत्थुमेव दव्वट्ठियणयस्स।।''
उपर्युक्त गाथा इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) सन्मतितर्कप्रकरण (2) प्रवचनसार
(3) द्रव्यसंग्रह (4) न्यायावतार

47. 'समणो समसुहदुक्खो' इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) णायकुमारचरिउ (2) प्रवचनसार
(3) द्रव्यसंग्रह (4) सन्मतितर्कप्रकरण

48. आचाराङ्ग के इस अध्ययन में सभी जीवों की हिंसा का निषेध वर्णित है :

(1) सत्थपरिण्णा (2) लोगविजय (3) उपधान (4) पिण्डैषणा

49. 'इच्छा उ आगाससमा अणंतिया' यह इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) सम्मइसुत्तं (2) दव्व संगहो (3) उत्तरज्झयणं (4) आयारो

50. 'आनन्दमञ्जरी' की साहित्यविधा यह है :

(1) नाटक (2) सट्टक (3) महाकाव्य (4) खण्डकाव्य

- o 0 o -

Space For Rough Work